

3. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 4. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

Fol. 55 b: **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

V. Fol. 55 b: 1. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 2. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 3. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 4. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

Fol. 65 b: **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

VI. Fol. 65 b: 1. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 2. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 3. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 4. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

Fol. 75 b: **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

VII. Fol. 76 a: 1. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 2. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 3. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 4. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

Fol. 86 b: **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

VIII. Fol. 87 a: 1. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 2. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 3. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**
 4. Z. **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

Fol. 101 b: **ܘܦܥܠܝܢܐ ܠܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ ܕܥܘܠܝܢܐ**

³ Zum Oktoechos siehe H. Engberding LThK 1. Aufl. VII, 693 und 2. Aufl. H. J. Schulz VII 1127. Ferner Or. Christ. 1913. Jeannin und Payade: Oktoechos syrien. J. Quasten. *Musik und Gesang in den Kulturen der heidnischen Antike und christlichen Frühzeit*. Münster 1930. S. 153. E. Wellesz. *Aufgaben und Probleme der byzantinischen und orientalischen Kirchenmusik*. Münster 1923. S. 44.

